प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 2018 हिंदी अ कक्षा दसवीं निर्धारित समय 3 घंटे अधिकतम अंक : 80

सामान्य निर्देश

. इस प्रश्न पत्र में चार खंड हैं - क ,ख , ग , घ |

. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है |

. यथासम्भव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः दीजिए |

खंड - 'क' अंक - 15

अपठित अंश

1 . निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

हर भाषा किसी - न किसी समाज की एक मातृभाषा होती है | उसका अपना एक विशिष्ट साहित्य होता है | उस भाषा के साहित्य का अध्ययन करके हम उस भाषा - भाषी समाज के बारे में , उसकी सभ्यता और संस्कृति के बारे में ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं | विदेशी भाषा का अध्ययन बुरी बात नहीं है | इससे हमारी संवेदना व्यापक होती है , हमारे ज्ञान का विस्तार होता है , हमारी मानवीय दृष्टि में व्यापकता आती है और विचारोंमें उदारता का समावेश होता है | अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्धों में विदेशी भाषा का ज्ञान सहायक सिद्ध होता है , किन्तु इसका अर्थ यह नहीं कि विदेशी भाषा का ज्ञान प्राप्त करने के मोह में हम अपनी ही भाषा की उपेक्षा कर दें | भाषा किसी जाति की सभ्यता और संस्कृति की वाहक होती है | यदि हमारे पास अपनी भाषा का ज्ञान नहीं होगा तो हम अपनी पहचान खो देंगे | अपनी भाषा या मातृभाषा में हमारा हृदय बोलता है | हमारा राष्ट्र - हृदय उसमें धड़कता है , इसलिए विदेशी भाषा की अपेक्षा मातृभाषा का महत्त्व अधिक होता है | जब तक कोई राष्ट्र अपनी भाषा को नहीं अपनाता तब तक वह स्वावलम्बी नहीं बन सकता , विकास नहीं कर सकता | कोई विदेशी भाषा चाहे कितनी ही समृद्ध क्यों न हो , उसका चाहे कितना ही व्यापक क्षेत्र क्यों न हो , पर अपनी मातृभाषा के सामने उसका कोई सार्थक महत्त्व नहीं हो सकता | मातृभाषा चिन्तन और मनन की भाषा होती है | सम्पूर्ण समाज उसी के माध्यम से स्वयं को व्यक्त करता है |

(क) मातृभाषा को अपनाना क्यों जरूरी है ? स्पष्ट कीजिए | 2

(ख) ' विदेशी भाषा का अध्ययन बुरी बात नहीं ' गद्यांश के आधार पर स्पष्ट कीजिए | 2

(ग) मनुष्य स्वावलंबी कब बन सकता है ? स्पष्ट कीजिए | 2

(घ) ' सम्पूर्ण ' शब्द से उपसर्ग अलग कीजिए | 1

(ङ) प्रस्तुत गद्यांश का सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक लिखिए | 1

2 . निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

Document Downloaded from https://jsuniltutorial.weebly.com/

कोई नहीं पराया , मेरा घर सारा संसार है |

मैं न बंधा हूँ देश - काल की जंग लगी जंजीर में ,

मैं न खड़ा हूँ जाति - पाँति की ऊँची - नीची भीड़ में ,

मेरा धर्म न कुछ स्याही शब्दों का एक गुलाम है ,

मैं बस कहता हूँ कि प्यार है तो घट - घट में राम है ,

मुझसे तुम न कहो मन्दिर - मस्जिद पर मैं सर टेक दूँ ,

मेरा तो आराध्य आदमी देवालय हर द्वार है |

कोई नहीं पराया , मेरा घर सारा संसार है |

कहीं रहे कैसे भी , मुझको प्यारा यह इंसान है ,

मुझको अपनी मानवता पर बहुत - बहुत अभिमान है ,

अरे नहीं देवत्व , मुझे तो भाता है मनुजत्व ही ,

और छोड़कर प्यार , नहीं स्वीकार मुझे अमरत्व भी ,

मुझे सुनाओ तुम न स्वर्ग - सुख की सुकुमार कहानियाँ ,

मेरी धरती सौ - सौ स्वर्गों से ज्यादा सुकुमार है |

कोई नहीं पराया , मेरा घर सारा संसार है |

क) कवि का घर सारा संसार है | कावांश के आधार पर स्पष्ट कीजिए | 2

ख) ' मेरा तो आराध्य आदमी देवालय हर द्वार है ' पंक्ति से कवि का क्या आशय है ? 2

ग) कवि को किस पर अभिमान है ? 1

घ) कवि क्या नहीं सुनना चाहता ? 1

ङ) ' ऊँची - नीची ' में प्रयुक्त समास का नाम बताइए | 1

खंड - ख (व्याकरण) अंक 15

3 . निम्नलिखित प्रश्नों का निर्देशानुसार उत्तर दीजिए - 1x3=3

क) नेताजी का भाषण समाप्त होते ही लोग घर चले गए | (संयुक्त वाक्य में परिवर्तित कीजिए)

ख) हम लोगो को दर्शन करने थे इसलिए हम मंदिर गए | (मिश्रित वाक्य में बदलिए)

ग) हड़ताल होने के कारण सोमवार को बाज़ार बंद रहेगा | (रचना की दृष्टि से वाक्य का भेद बताइए)

JSUNIL TUTORIAL

4 . निम्नलिखित प्रश्नों का निर्देशानुसार उत्तर दीजिए - 1x4=4

क) सीमा पुस्तक पढ़ती है | (कर्मवाच्य में बदलिए)
ख) मुझसे अब चला नहीं जाता | (कर्तवाच्य में बदलिए)
ग) मुझसे इतने कम प्रकाश में पढ़ा नहीं जाता | (कर्तवाच्य में बदलिए)
घ) वे लोग शांत नहीं रह सकते | (भाववाच्य में बदलिए)

5 . निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों का पद परिचय दीजिए - 1x4= 4

क) वह छात्र बहुत होशियार है |
ख) वे स्त्रियाँ संस्कृत नहीं बोलतीं |
ग) रंग - बिरंगे फूल देखकर मन प्रसन्न हो गया |
घ) रमेश वहाँ बैठा है |

6 . निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए - 1x4 =4

क) उत्साह किस रस का स्थायी भाव है |
ख) अनुभाव के कितने प्रकार होते हैं ?
ग) अदभुत रस का अनुभाव लिखिए |
घ) निम्न काव्य - पंक्तियों में कौन - सा रस निहित है ?

तुम्हारी यह दन्तुरित मुस्कान
मृतक में भी डाल देगी जान |

खंड - ग अंक 30

(पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक)

7 . निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

जिस समय आचार्यों ने नाटयशाश्त्र - सम्बन्धी नियम बनाए थे , उस समय सर्वसाधारण की भाषा संस्कृत न थी | चुने हुए लोग ही संस्कृत बोलते या बोल सकते थे | इसी से उन्होंने उनकी भाषा संस्कृत और दूसरे लोगों तथा स्त्रियों की भाषा प्राकृत रखने का नियम कर दिया | पुराने ज़माने में स्त्रियों के लिए कोई विश्वविद्यालय न था | फिर नियमबद्ध प्रणाली का उल्लेख आदि पुरानों में न मिले तो क्या आश्चर्य और , उल्लेख उसका कहीं रहा हो , पर नष्ट हो गया हो तो ? पुराने ज़माने में विमान उड़टे थे | बताइए उनके बनाने की विद्या सिखानेवाला कोई शाश्त्र ! बड़े - बड़े जहाजों पर सवार लोग द्विपान्त्रों को जाते थे | दिखाइए , जहाज़ बनाने की नियमबद्ध प्रणाली के दर्शक ग्रंथ ! पुरानों आदि में विमानों और जहाजों द्वारा की गई यात्राओं के हवाले देकर उनका अस्तित्व तो हम बड़े गर्व से स्वीकार करते हैं ,परन्तु पुराने ग्रन्थों में अनेक प्रगल्भ पंडिताओं के नामोल्लेख देखकर भी कुछ लोग भारत की तत्कालीन स्त्रियों को मूर्ख , अनपढ़ और गँवार बताते हैं ! इस तर्कशास्त्रज्ञता और इस न्यायशीलता की बलिहारी !

JSUNIL TUTORIAL

क) जिस समय आचार्यों ने नाटयशाश्त्र - सम्बन्धी नियम बनाए थे , उस समय दूसरे लोगों तथा 2 स्त्रियों की भाषा प्राकृत रखने का नियम क्यों कर दिया ?

ख) जहाज़ और विमान के उदाहरण को लेखक ने किसके समर्थन में प्रस्तुत किया है ? 2

ग) पुराने ग्रन्थों में अनेक प्रगल्भ पंडिताओं के नामोल्लेख से क्या पुष्टि होती है ? 1

8 . निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए - 2+2+2=2=8

क) ' फादर को याद करना एक उदास शांत संगीत को सुनने जैसा है | ' 'मानवीय करुणा की दिव्य चमक ' पाठ के आधार पर इस कथन को स्पष्ट कीजिए |

ख) बिस्मिल्ला खां कला के अनन्य उपासक थे , ' नौबतखाने में इबादत ' पाठ के आधार पर तर्क सहित उत्तर दीजिए |

ग) ' हम अनेक बार संस्कृति और सभ्यता के खतरे में होने की बात सुनते हैं | , लेखक ने कौन - कौन से खतरों का वर्णन किया है ?

घ) अपनों का विश्वासघात मनुष्य पर क्या प्रभाव डालता है ?'एक कहानी यह भी ' पाठ के आधार पर बताइए |

9 . निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

मधुप गुन - गुना कर कह जाता कौन कहानी यह अपनी ,

मुरझाकर गिर रहीं पत्तियाँ देखो कितनी आज घनी |

इस गम्भीर अनंत - नीलिमा में असंख्य जीवन - इतिहास

यह लो , करते ही रहते हैं अपना व्यंग्य - मलिन उपहास

तब भी कहते हो - कह डालूँ दुर्बलता अपनी बीती |

तुम सुनकर सुख पाओगे , देखोगे - यह गागर रीति |

किन्तु कहीं ऐसा न हो कि तुम ही खाली करने वाले

अपने को समझो , मेरा रस ले अपनी भरने वाले |

क) कवि अपनी आत्मकथा दूसरों के सामने व्यक्त क्यों नहीं करना चाहता ? 2

ख) कवि ने ' मधुप ' शब्द का प्रयोग किसके लिए किया है ? 2

ग) कवि ने यहाँ अपने जीवन के किस पक्ष का उल्लेख किया है ? 1

10 . निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए - 2+2+2+2 = 8

क) लक्ष्मण के अनुसार वीर क्या नहीं किया करते ? ' राम - लक्ष्मण - परशुराम संवाद ' के आधार पर उत्तर दीजिए |

JSUNIL TUTORIAL

ख) कविता का शीर्षक ' उत्साह ' क्यों रखा गया ? उत्साह शीर्षक के द्वारा कवि ने किस महत्त्वपूर्ण तथ्य की ओर संकेत किया है ?

ग) ' कन्यादान ' नामक कविता में स्त्री के लिए क्या संदेश छिपा है ?

घ) ' संगतकार ' कविता में संगतकार के माध्यम से कवि किस प्रकार के व्यक्तियों की ओर संकेत करना चाह रहा है ?

11 . परिवेश एवं संगति किस प्रकार बच्चों के चारित्रिक विकास में बाधक एवं साधक हैं ' माता का अंचल' पाठ के आधार पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए | 4

अथवा

आज की पीढ़ी द्वारा प्रकृति के साथ किस तरह का खिलवाड़ किया जा रहा है | इसे रोकने में आपकी क्या भूमिका होनी चाहिए ? 'साना - साना हाथ जोड़ि' ' पाठ के आधार पर बताइए |

खंड घ अंक 20

(लेखन)

12 . निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर लगभग 200 से 250 शब्दों में निबन्ध लिखिए - 10

क) मेट्रो : एक सुविधाजनक परिवहन

संकेत बिंदु . भूमिका . मेट्रो का आरम्भ . मेट्रो की आवश्यकता एवं लाभ . उपसंहार

ख) सामाजिक संजाल (सोशल नेटवर्किंग) वरदान या अभिशाप

संकेत बिंदु . प्रस्तावना . सोशल नेटवर्किंग के लाभ . सोशल नेटवर्किंग कसे हानियाँ . उचित प्रयोग के लिए सुझाव . उपसंहार

ग) मीडिया का वर्चस्व

संकेत बिंदु भूमिका . मीडिया की उपयोगिता . मीडिया के प्रशंसनीय कार्य . उपसंहार

13 . दूरदर्शन पर प्रसारित होने वाले ' पैसा प्रधान ' कार्यक्रमों के माध्यम से युआ वर्ग में बढ़ती अनावश्यक धन लालसा का वर्णन करते हुए किसी दैनिक समाचार - पत्र के सम्पादक को पत्र लिखिए 5

अथवा

अपनी छोटी बहन को पाश्चात्य संस्कृति एवं फैशन की ओर आधिक ध्यान न देकर पढ़ाई पर अपना ध्यान केन्द्रित करने की सीख देते हुए एक पत्र लिखिए |

14 . किसी गारमेंट्स के मालिक की ओर से कपड़ों की सेल का विज्ञापन 25 - 50 शब्दों में तैयार कीजिए | 5

अथवा

किसी ऑनलाइन शॉपिंग कम्पनी की ओर से 25 - 50 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए |

Document Downloaded from https://jsuniltutorial.weebly.com/

प्रश्न - 1 . क) मातृभाषा को अपनाना इसलिए जरूरी है , क्योंकि भाषा किसी जाति की सभ्यता और संस्कृति की वाहक होती है | हमारी मातृभाषा ही हमारी पहचान होती है यदि हमारे पास अपनी मातृभाषा का ज्ञान नहीं होगा तो हम अपनी पचान खो देंगे | अत: हमें अपनी मातृभाषा को ही अपनाना चाहिए |

ख) ' विदेशी भाषा का अध्ययन बुरी बात नहीं है ' क्योंकि इसके द्वारा हमारी संवेदना व्यापक होती है , हमारे ज्ञान का विस्तार होता है , हमारी मानवीय दृष्टि में व्यापकता आती है और विचारों में उदारता का समावेश होता है |

ग) मातृभाषा का हमारे जीवन में विशेष महत्व है | यही हमारे चिन्तन और मनन की भाषा होती है | सम्पूर्ण समाज इसी के माध्यम से स्वयं को व्यक्त करता है जब तक कोई राष्ट्र अपनी भाषा को नहीं अपनाता तब तक वह स्वावलंबी नहीं बन सकता | अत: जब मनुष्य को अपनी भाषा और साहित्य का ज्ञान होगा तभी वह स्वावलंबी बन सकता है |

घ) ' सम्पूर्ण ' शब्द 'सं ' उपसर्ग से बना है |

ङ) प्रस्तुत गद्यांश का सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक 'मातृभाषा की उपयोगिता ' होगा |

2 . क) कवि का घर सारा संसार है , क्योंकि वह किसी भी प्रकार के भेदभाव को नहीं मानता | वह कहता है कि मैं देश - काल की किसी भी प्रकार की जंजीरों में तथा जाति - पाँति के भेदभाव में विश्वास नहीं करता , इसलिए सारा संसार मेरा घर है |

ख) ' मेरा तो आराध्य आदमी देवालय हर द्वार है ' पंक्ति से कवि का आशय आम आदमी से है | उसके अनुसार यदि हमारे मन में प्यार है , तो हमारे मन में ही राम का वास रहता है | अत: हमें मन्दिर मस्जिद जाने की कोई आवश्यकता नहीं है |

ग) कवि को अपनी मानवता पर अभिमान है |

घ) कवि स्वर्ग - सुख की सुकुमार कहानियाँ नहीं सानना चाहता |

ङ) ' ऊँची - ऊँची में द्वंद्व समास है |

3 . क) नेताजी का भाषण समाप्त हुआ और लोग घर चले गए |

ख) हम लोग मन्दिर इसलिए गए , क्योंकि हम लोगों को दर्शन करने थे |

ग) सरल वाक्य

4 . क) सीमा के द्वारा पुस्तक पढ़ी जाती है |

ख) मैं अब चल नहीं सकता |

ग) मैं इतने कम प्रकाश में पढ़ नहीं सकता |

घ) उन लोगों से शांत नहीं रहा जा सकता |

5 . क) छात्र - जातिवाचक संज्ञा , एकवचन , पुल्लिंग

ख) वे - सार्वनामिक विशेषण , स्त्रीलिंग , बहुवचन

ग) रंग - बिरंगे - गुणवाचक बिशेष्ण , बहुवचन , पुल्लिंग , ' फूल ' विशेष्य का विशेषण

घ) वहाँ - स्थानवाचक क्रियाविशेष्ण ' बैठा है ' क्रिया का स्थान निर्देश

6 . क) वीर रस

ख) अनुभाव के चार प्रकार होते हैं -

कायिक , मानसिक , आहार्य , सात्विक

ग) रोमांच , स्तम्भ , आँखे फाड़कर देखना , गद्गद होना

घ) वात्सल्य रस

7 . क) जिस समय आचार्यों ने नाट्यशासत्र सम्बन्धी नियम बनाए थे , उस समय सर्वसाधारण की भाषा संस्कृत न थी | कुछ चुने हुए लोग ही संस्कृत बोलते थे , इसलिए उनकी भाषा संस्कृत और दूसरे लोगों तथा स्त्रियों की भाषा प्राकृत रखने का नियम कर दिया |

ख) जहाज़ और विमान के उदाहरण से लेखक बताता है कि जहाज़ और विमान के पाचिन काल में होने के कोई भी साक्ष्य नहीं मिलते , फिर भी हम उनके अस्तित्व को स्वीकार कर लेते हैं , तो स्त्रियों की नियमबद्ध शिक्षा प्रणाली का उल्लेख न मिलने पर हम उन्हें अनपढ़ और गँवार नहीं माँ सकते |

ग) पुराने ग्रन्थों में अनेक प्रगल्भ पंडिताओं के नामों के उल्लेख से इस बात की पुष्टि होती है कि प्राचीनकाल में स्त्रियों को शिक्षा ग्रहण करने का अधिकार था |

8 . क) लेखक ने कहा है कि फादर को याद करना एक उदास शांत संगीत को सुनाने जैसा है , क्योंकि फादर का व्यक्तित्व करुणा से भरा हुआ था | अपने हर एक प्रियजन के लिए उनके हृदय में प्रेम तथा अपनत्व था | संन्यासी होते हुए भी वह पारिवारिक रिश्तों से बँधे हुए प्रतीत होते थे | उनकी छत्रछाया में सभी को ममता तथा शांति मिलती थी , परन्तु आज फादर बुल्के लेखक से दूर जा चुके हैं | इसलिए उनको याद करना एक उदास शांत संगीत को सुनाने जैसा है |

ख) बिस्मिल्ला खां कला के अनन्य उपासक थे | वे अस्सी वर्षों से शहनाई बजा रहे थे | इस कला की साधना के लिए वह घंटों गंगा घात पर बैठकर रियाज़ करते थे | वे अपनी कला को उपासना की चीज मानते थे | अत: वह अंत

JSUNIL TUTORIAL

तक खुदा से सच्चे सुर की माँग करते रहे | वह कला को पैसा कमाने का साधन नहीं समझते थे , इसलिए वह जीवन भर संगीत साधना करते रहे |

ग) ' हम अनेक बार संस्कृति और सभ्यता के खतरे में होने की बात सुनते हैं | ' लेखक के अनुसार हमारे खाने - पीने के तरीके , हमारा रहन - सहन , आदि सब हमारी सभ्यता है |

जिन साधनों के बल पर मनुष्य दिन - रात अपने विनाश में जुटा हुआ है , उसे सभ्यता या संस्कृति नहीं कह सकते | जिन कार्यों में जन कल्याण की भावना निहित नहीं है , वे कार्य हमारी सभ्यता और संस्कृति के लिए खतरा है |

घ) अपनों द्वारा विश्वासघात से मनुष्य अंदर से टूट जाता है | वह किसी पर विश्वास नहीं करता | वह चिड़चिड़ा , क्रोधी और शक्की स्वभाव का बन जाता है | अत: मनुष्य का दु:ख तब और अधिक बढ़ जाता है , जब वह अधिक विश्वास करने वाले व्यक्ति से धोखा खाता है | वह सही समझते हुए भी किसी पर विश्वास नहीं करता |

9 . क) कवि अपनी आत्मकथा दूसरों के सामने व्यक्त इसलिए नहीं करना चाहता , क्योंकि वह अपना उपहास नहीं बनवाना चाहता | उसके जीवन में ऐसा कुछ भी महान नहीं है , जिसकी लोग प्रशंसा करें |

ख) कवि ने ' मधुप ' शब्द का प्रयोग मन रुपी भौरें के लिए किया है | वह गुनगुनाकर अपनी आपबीती सुना रहा है | कवि अपने जीवन के दु:खद एवं अभावग्रस्त पक्ष को नहीं बताना चाहता |

ग) कवि ने यहाँ अपने जीवन के दु:खद पक्ष का उल्लेख किया है कि कवि के जीवन में केवल निराशा ही व्याप्त है |

10 . क) लक्ष्मण ने परशुराम को वीरता का व्रत धारण करनेवाले , धैर्यवान और क्षोभरहित बताते हुए कहा कि आप जैसे महान मुनि को गाली देना शोभा नहीं देता | आप शूरवीर हैं | शूरवीर अपनी करनी युद्ध में दिखाते हैं , बातों से अपना वर्णन नहीं करते | शत्रु को युद्ध में उपस्थित पाकर अपने प्रताप की डींग मारनेवाले कायर होते हैं |

ख) ' उत्साह ' एक आह्वान गीत है , जो बादलों को सम्बोधित करके लिखा गया है | कविता का शीर्षक ' उत्साह ' ओस्लिए रखा गया होगा , क्योंकि बादल वर्ष करके पीड़ीत - प्यासे जन की आकांक्षा कोपूरा करके उनके जीवन में आशा , उत्साह तथा चेतना का संचार करते हैं | कवि बादलों को क्रांति का प्रतीक मानकर उनसे शक्तिशाली स्वर में गरजने के लिए कहता है |

ग) कविता में स्त्री को उसके परम्परागत रूप से हटकर अपने लिए कार्य करने तथा अपने अधिकारों को पहचानने का संदेश दिया गया है | माँ के माध्यम से स्त्री को यह संदेश देने का प्रयास किया गया है कि उसे अपने रूप पर मोहित होने की तुलना में अपने अधिकारों को जानने का प्रयास करना चाहिए | उसे प्रगति की राह में चलने के लिए शिक्षा प्राप्त करनी चाहिए , ताकि वह अपनी कमजोरियों पर काबू पा सके , और समाज के साथ कंधे - से कंधा मिलाकर चल सके |

घ) ' संगतकार ' कविता में संगतकार के माध्यम से कवि ऐसे व्यक्तियों की ओर संकेत करना चाहता है , जो पीछे रहकर मुख्य व्यक्ति की सफलता में पूरा योगदान देते हैं | समाज और इतिहास में ऐसे अनेक प्रसंग आए हैं , जहाँ

JSUNIL TUTORIAL

नायक की सफलता में अनेक लोगों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है | संगतकार के माध्यम से इस ओर संकेत किया गया है कि समाज और राष्ट्र के विकास में किसी एक व्यक्ति का नहीं , बल्कि अनेक व्यक्तियों का योगदान होता है

11 बालमन बहुत कच्चा तथा कोमल होता है | बच्चे जिस परिवेश में रहते हैं , उसी में ढल जाते हैं | उन्हें सही - गलत की पहचान नहीं होती | सही परिवेश और सही संगति चरित्र को उज्ज्वल बनाते हैं और बच्चों को सही मार्ग पर ले जाते हैं | माता - पिता को इसका विशेष ख्याल रखना चाहिए |

दूसरी तरफ गलत परिवेश एवं गलत संगति अच्छे बालक को भी बुरा बना देते हैं | प्रस्तुत पाठ में भी भोलानाथ जैसा भोला - भाला तथा मासूम बच्चा भी अपने ढीठ मित्रों की संगत में कभी शिक्षकों को चिढ़ाता है , तो कभी जीव - जन्तुओं को सताता है | इस प्रकार वह गलत संगति में पड़कर दुर्गुणों का शिकार हो जाता है अत: परिवेश और संगति बच्चों के चारित्रिक विकास में बाधक भी है और साधक भो |

अथवा

प्रकृति के साथ खिलवाड़ करने के कर्म में आज पहाड़ों पर प्रकृति की शोभा को नष्ट किया जा रहा है वृक्षों को काटकर पर्वतों को नंगा किया जा रहा है| शुद्ध , पवित्र नदियों को विविध प्रकार से प्रदूषित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है | नगरों का फैक्ट्रियों का गंदा पानी पवित्र नदियों में छोड़ा जा रहा है | सुख - सुविधा के नाम पर पौलिथिन का अधिक प्रयोग और वाहनों के द्वारा प्रतिदिन छोड़ा धुँआ पर्यावरण के संतुलन को बिगाड़ रहा है | इस तरह प्रकृति का गुस्सा बढ़ रहा है , मौसम में परिवर्तन आ रहा है | ग्लेशियर पिघल रहे हैं |

प्रकृति के साथ खिलवाड़ को रोकने में हम सहयोग दे सकते हैं -

1 . वर्तमान में खड़े वृक्षों को न काटें और न काटने दें |

2 . यथासम्भव वृक्षारोपण करें और दूसरों को वृक्षारोपण के लिए प्रेरित करें |

3 . वाहनों का प्रयोग यथासम्भव कम करें |

4 . पोलीथिन , अपशिष्ट पदार्थों तथा नालियों के गंदे पानी को नदियों में न जाने दें |

12 . निबन्ध किन्हीं एक - (सभी बिन्दुओं का ध्यान रखते हुए अंक देने हैं)

13 . पत्र का सोपान , वाक्यों की सही रचना , विषयों का सही विवरण , सही समापन पर अंक दिए जाएँ |

14 . विज्ञापन - . जिस वस्तु का विज्ञापन हो उसका नाम व् ब्यौरा स्पष्ट होना चाहिए

. भाषा स्पष्ट , प्रभावी एवं रोचक होनी चाहिए

. आकार में छोटा होना चाहिए

. संभव हो तो चित्र भी दे सकते हैं

. आवश्यकतानुसार सम्पर्क , पता ,एवं दूरभाष नम्बर भी देना चाहिए

Document Downloaded from https://jsuniltutorial.weebly.com/